अथवा

'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता का मुख्य अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

4. 'भिक्षुक' कविता के भाव-पक्ष पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

'भारत माता ग्राम वासिनी' कविता के आधार पर पंत की काव्य-चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

5. 'पूछता क्यों शेष कितनी रात?' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'ठुकरा दो या प्यार करो' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 6074 J

Unique Paper Code : 2052102402

Name of the Paper : Aadhunik Hindi Kavita (Chhayawad Tak)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) सुंदर बानी कहि समुझावै।

बिधवागन सों नेह बढ़ावै ।।

दयानिधान परम गुन - आगर।

सखि सज्जन नहिं 'विद्यासागर' ।।

अथवा

सबसे प्रथम कर्त्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में,

शिक्षा बिना ही पड़ रहे हैं आज हम सब क्लेश में।

शिक्षा बिना कोई कभी बनता नहीं सत्पात्र है,

शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है ।।

(ख) कैसी मधुर मनोहर उज्जवल है यह प्रेम-कहानी।

जी में है अक्षर बन इसके बनूँ विश्व की बानी।

स्थिर, पवित्र, आनंद-प्रवाहित, सदा शांति सुखकर है।

अहा! प्रेम का राज्य परम सुन्दर, अतिशय सुंदर है ।।

अथवा

तम-नयनों की ताराएँ सब -

मुंद रही किरण दल में हैं अब,

चल रहा सुखद यह मलय बात!

अब जागो जीवन के प्रभात!

(ग) आम की यह डाल जो सूखी दिखी,

कह रही है - "अब यहाँ पिक या शिखी

नहीं आते, पंक्ति में वह हूँ लिखी

नहीं जिसका अर्थ - जीवन दह गया है।"

अथवा

कह दे अतीत अब मौन त्याग,

लंके, तुझमे क्यों लगी आग ?

ऐ कुरुक्षेत्र! अब जाग, जाग,

बतला अपने अनुभव अनंत,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

2. 'नये जमाने की मुकरी' का प्रतिपादय लिखिए। (15)

अथवा

'भारत-भारती' के (भविष्यत् खंड) में निहित जीवन-दृष्टि का परिचय दीजिए।

3. 'पथिक' कविता में व्याप्त प्रकृति-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। (15)